**Title:** Regarding acute shortage of drinking water in some areas of Gujarat.

**श्री शंकर सिंह वाघेला : उपाध्यक्ष महोदय, जीरो आवर नियम ३७७ में कन्वर्ट हो रहा है, ऐसा हमें मालूम पड़ रहा है। जीरो आवर का एक महत्व होता है कि देश में २४ घंटे में जो कुछ घटनाक्रम घटा है, उसके आधार पर ठीक १२ बजे अध्यक्ष महोदय किसी भी माननीय सदस्य को उसके द्वारा नोटिस दिए जाने पर बोलने के लिए अनुमति प्रदान करें। यह अध्यक्ष महोदय का राइट है कि वे किसको अलाऊ करें और किसको न करें। मैं प्रधान मंत्री जी का आभारी हूं कि इन्होंने पानी के बारे में जो अभी बयान दिया है, ... (व्यवधान)**

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please do not conduct the House sitting there.

... (Interruptions)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Major General Khanduri, I will take care of it.

**श्री शंकर सिंह वाघेला : अभी क्वश्चन ऑवर में मुलायम सिंह जी ने कहा था, लेकिन पीने के पानी के रायट (वाटर रायटस) हमारे गुजरात में शुरू हो गए हैं।**

**कल हमने प्रधान मंत्री जी को नर्मदा सरदार सरोवर प्रोजैक्ट से पीने के पानी के बारे में एक मेमोरैंडम दिया था। इसी समय फल्ला जिला जामनगर में किसानों के ऊपर फायरिंग हो रहा था । तीन किसान प्वाइंट ब्लैंक रेंज से मारे गये हैं। किसान संघ के लोग, आपके लोग ११ दिन से वहां ऐनीटेशन कर रहे हैं। जामनगर सिटी को पीने के पानी देने का सवाल है। वहां ऑल्टरनेटिव दिन आधा घंटे पानी मिल रहा है। राजकोट को तीन दिन में एक दफा पीने का पानी मिलता है। गांव के लोग किसान लोगों को दस दस किलोमीटर जाने के बाद भी पानी नहीं मिलता । किसान कहते हैं कि हमारा पानी है और अर्बन लोग कहते हैं कि हमारा पानी है। ११ दिन से जो ऐनीटेशन चल रहा था, वह कल हिंसक हो गया और तीन किसान प्वाइंट ब्लैंक रेंज से मारे गये। १३ लोग हास्पिटल में हैं। तीनों की डेड बॉडी वहां पड़ी हुई है। जब मुख्यमंत्री जी वहां जायेंगे तब वे डेड बॉडीज देंगे वर्ना वे नहीं देंगे ऐसा किसानों का कहना है । सिर्फ पोलिटिकल शमशान यात्रा में जाना ठीक नहीं है । मैं कहना चाहता हूं कि यह सिर्फ पोलीटिकल मामला नहीं है। मैं प्रधान मंत्री जी की आभारी हूं कि आपने इंटरविन किया। संसद में पानी की चर्चा की बात है । आप नियम १९३, शार्ट डयूरेशन या अन्य किसी भी प्रकार की औपचारिकता में न जायें। आपको पीने के पानी का इश्यू सब पार्टियों को क्रास करते हुए जल्दी उठाना चाहिए। अभी तो विंटर सैशन चल रहा है। गर्मियों में पता नहीं क्या होगा? हमने खाने के राइटस सुने थे लेकिन अब पीने के पानी का राइटस भी शुरू हो गया है। मैं कहना चाहता हूं कि रास्ता रोको आंदोलन में लोगों ने जो कुछ किया फायरिंग हुआ, उस पर सभी पार्टियों को साथ लेकर आप चिन्ता करें। स्टेटस में जितनी भी प्रौब्लम्स हैं, उनको राज्य पर ही न छोड़ा जाये क्योंकि राज्यों के अपने रिसोर्सिस बहुत कम हैं। यह कहेंगे कि कांग्रेस गवर्नमैंट है, मैं कहूंगा कि बी.जे.पी. की गवर्नमैंट है। गवर्नमैंट गवर्नमैंट होती है। पीने के पानी का न रंग होता है, न कोई सुगंध आती है और पीने का पानी, पानी होता है। इसकी चिन्ता करते हुए आप पूरे हाउस को विश्वास में लेते हुए राज्यों को डिक्टेट किया जाये कि इसमें कम से कम हिंसा न हो। पीने का पानी कहां से दिया जाये, इसके बारे में चिन्ता करनी चाहिए क्योंकि किसान कहता है कि हमको पानी मिलना चाहिए और शहरी इंसान कहते है कि हमको पीने के लिए पानी मिलना चाहिए। आप इस पर चिन्ता करें।**

**सब को पानी मिलना चाहिए ।**